Result Mitra Daily Magazine

लिंगायत और बसवन्ना

हालिया सन्दर्भ :

- कर्नाटक के प्रमुख लिंगायत समुदाय की एक उपजाति पंचमसाली लिंगायत पिछले 3 वर्षों से अन्य पिछडा वर्ग (OBC) की श्रेणी 2A में शामिल किए जाने की मांग कर रही है।
- इससे उन्हें सरकारी नौकरियों एवं कॉलेज प्रवेश में इस श्रेणी के लिए निर्धारित 15 % आरक्षण का लाभ मिल सकेगा, जबकि वर्तमान में लिंगायत समुदाय को OBC में श्रेणी 3B के तहत 5% का आरक्षण प्राप्त है।

लिंगायत समुदाय :

- हिन्दू उपजाति वीरशैव लिंगायत के रूप में वर्गीकृत है।
- लिंगायत वे होते हैं, जो दीक्षा समारोह के दौरान प्राप्त लिंग (शिव) को शरीर पर व्यक्तिगत रूप से धारण करते है।
- ये मुख्यतः दार्शनिक कवि बसवेश्वर के अनुयायी है।
- कर्नाटक में यह एक प्रमुख समुदाय है, जो कर्नाटक की 6 करोड की आबादी में 17% का योगदान देते हैं।

पंचमसाली लिंगायत :

- लिंगायत की उपजाति,
- लिंगायत की कुल आबादी में 70% का योगदान,
- कर्नाटक की कुल आबादी में 14% का योगदान,
- मुख्यतः कृषि-प्रधान समुदाय

कर्नाटक में प्रभुत्व :

- कुल 224 राज्य विधानसभा सीटों में 90-100 सीटों पर परिणाम प्रभावित करने में सक्षम,
- राज्य में लिंगायत समुदाय के 500 से ज्यादा मठ,
- मठों के मामले में वोक्कालिगा समुदाय,

- लिंगायत मठ राज्य में बेहद शक्तिशाली एवं राजनीति में इनकी सक्रिय भागीदारी
- उत्तरी कर्नाटक में लिंगायत का विशेष प्रभाव,
- पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिग्गज नेता बी. एस. येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई एवं जगदीश शेट्टार लिंगायत संप्रदाय से संबंधित,

आरक्षण की मांग :

- OBC में कई जातियों एवं उपजातियां शामिल है, जिनका आधार भूमि का मालिकाना अधिकार, व्यवसाय का स्वरूप आदि है।
- किसी एक OBC समूह को आरक्षण का संपूर्ण लाभ लेने से रोकने के लिए अधिकांश राज्यों ने OBC का उपवर्गीकरण किया है, जिसमें विभिन्न जातियों की आबादी और सापेक्ष आर्थिक-सामाजिक स्थिति को ध्यान में रखा जा सकता है।
- कर्नाटक में OBC के लिए 32% कुल आरक्षण है, जिसे 5 उप-श्रेणियों में बांटा गया है।
- 2A में वर्तमान में 102 जातियाँ शामिल है।

वर्तमान आरक्षण स्वरूप :

कैटेगरी	समुदाय	आरक्षण (%)
1	पिछडा वर्ग	4
2A	अन्य पिछडा वर्ग	15
2B	मुस्लिम	4
3A	वोक्कालिगा आदि	4
3B	लिंगायत आदि	5

- पंचमसाली समुदाय की 2 दशक से भी ज्यादा नाराजगी तब सामने आई, जब 2021 में BJP विधायक मुरूगेश निरानी को येदियुरप्पा कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया, जो लंबे समय से पंचमसाली की मांगों को आगे बढा रहे थे।

भाजपा का दांव :

- 2021 के बाद बढते आंदोलन के बीच बसवराज बोम्माई ने 27 मार्च 2023 को मुसलमानों की श्रेणी के लिए आरक्षित 4% कोटा को खत्म कर वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय के लिए निर्मित उप-श्रेणी में 2-2% में बांट दिया गया, जिससे लिंगायत एवं वोक्कालिगा समुदाय के लिए आरक्षण क्रमशः 5 से बढकर 7% और 4 से बढकर 6% हो गया।
- BJP ने 2023 राज्य विधानसभा चुनाव में लाभ लेने के उद्देश्य से ऐसा किया, लेकिन पंचमसाली श्रेणी 2A में शामिल किए जाने की मांग पर अडे रहे।
- हालांकि मुस्लिम याचिकाकर्ताओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को आरक्षण को पुरानी रूप में लाने का निर्देश दिया, जिसका खामियाजा BJP को 2023 के चुनाव में भुगतना पडा।

सत्ता-पलट :

- 1990 के दशक से BJP का समर्थक रही लिंगायत समुदाय चुनावों में कांग्रेस के सिद्धारमैया का साथ दिया।
- BJP के 68 लिंगायत उम्मीदवार में सिर्फ 18 को जीत मिली, वहीं 27 पंचमसाली उम्मीदवारों में से सिर्फ 7 को जीत मिली।
- दूसरी ओर कांग्रेस को क्रमशः 48 में से 37 एवं 14 में से 10 ऐसी सीटों पर जीत मिली।

कांग्रेस पर संकट :

- पंचमसाली के आरक्षण मांग को सरकार सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत आंकडों के सार्वजनिक किए जाने एवं मंत्रिमंडल द्वारा इसे स्वीकार लिए जाने तक टालने की कोशिश में है।
- लिंगायत इस सर्वे का विरोध कर रही है क्योंकि उन्हें आशंका है कि इस सर्वे में उनकी आबादी को कम करके आंका जा सकता है।
- कांग्रेस आरक्षण में संतुलन बनाने के लिए सभी लिंगायतों को (पंचमसाली सहित) केन्द्रीय OBC सूची डाल सकती है, जो कांग्रेस को सभी OBC जातियों एवं पंचमसाली समुदाय के बीच अपना समर्थन बनाए रखने में मददगार होगा। लेकिन इसका अंतिम अधिकार केन्द्रीय गृह मंत्रालय के पास है।
- येदियुरप्पा ने भी पूर्व में केन्द्र सरकार से यह सिफारिश की थी, लेकिन कथित तौर पर अमित शाह ने मना कर दिया था।

Result Mitra

- केन्द्रीय OBC सूची में डाले जाने से केन्द्र सरकार को नौकरियों एवं कॉलेज प्रवेश आदि में आरक्षण दिया जाता है।

लिंगायत : कभी कांग्रेस, कभी BJP :

- 1990 के दशक तक लिंगायत कांग्रेस के ही समर्थक थे।
- उस समय के विधानसभा चुनाव में लिंगायतों के समर्थन से वीरेन्द्र पाटिल के नेतृत्व में कांग्रेस ने 224 में से 179 सीटें जीती थी।
- राम जन्मभूमि मुद्दे के लिए आयोजित रथ यात्रा के कारण सांप्रादायिक हिंसा के बाद तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गाँधी ने पाटिल को उस समय बर्खास्त कर दिया, जब वे हार्ट-अटैक से जूझ रहे थे।
- इस घटना ने लिंगायतों को BJP की ओर मोड दिया।
- 1994 में हुए चुनावों में कांग्रेस 179 से 36 पर सिमट गई, वहीं BJP का वोट % 4 से बढकर 17 हो गया।
- इसी चुनाव में येदियुरप्पा लिंगायत के प्रमुख चेहरा बनकर उभरे, जो BJP के बडे नेताओं में शामिल हो गए।
- 2013 में भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण येदियुरप्पा को BJP से निकाल दिया गया, जिसके बाद इन्होंने कर्नाटक जनता पार्टी (KJP) नामक पार्टी बनाई।
- 2013 के चुनाव में BJP पिछले प्रदर्शन में 110 से 40 पर सिमट गई ओर वोट % 34 से घटकर 20% हो गया।
- 2014 में येदियुरप्पा के वापसी के बाद लोकसभा चुनाव में लिंगायत के समर्थन में 28 में से 17 लोकसभा सीटें BJP ने जीती।

बसवेश्वर/बसवन्ना :

- 1131 में बीजापुर के बागेवाडी में जन्म,
- प्रसिद्ध कवि एवं दाशनिक तथा लिंगायत के संस्थापक
- कलचुरी वंश के राजा विज्जल के दरबार में शुरू में लेखाकार एवं बाद में प्रधानमंत्री बने।
- जाति-व्यवस्था एवं वैदिक कर्मकांडों के विरोधी,
- कट्टर एकेश्वरवादी को बढावा,
- बसवेश्वर के अनुयायी सिर्फ शिव (लिंग) की ही पूजा करते है।
- बसवेश्वर के शिक्षा के कारण लिंगायतों ने स्वयं को हिन्दू वीरशैव से अलग कर लिया क्योंकि हिन्दू वीरशैव वैदिक कर्मकांडों को मानते है।

Result Mitra TM

नोट :- वीर शैव पांच पीठों के अनुयायी है, जिसे शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार पीठों के समान ही महत्व प्राप्त है।

बसवन्ना की मुख्य शिक्षाएँ :

- अरिवु (सच्चा ज्ञान), अनुभव (दित्य अनुभव) एवं आचार (सही आचरण) आध्यात्मिक अनुशासन के मुख्य सिद्धांत।
- लिंगनगयोग यानि ईश्वर से मिलन की समग्र दृष्टिकोण का प्रतिपादन।
- "कायाक" सिद्धांत के अनुसार, सभी व्यक्तियों को अपनी पसंद के कार्य को ईमानदारी के साथ करना चाहिए।
- "दसोहा" सिद्धांत के अंतर्गत उन्होंने समान वितरण का सिद्धांत दिया, जिसमें धन के "अपरिग्रह" पर जोर दिया गया।
- इसके अनुसार अधिशेष धन को गरीब एवं वंचितों के बीच बांट दिया जाना चाहिए।

अनुभव मंडपम् की स्थापना :

- यह वास्तव में भारत की पहली संसद थी, जहां पर लोग सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, आध्यात्मिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं पर चर्चा करते थे।
- इन चर्चाओं में "शरण", जिन्हें कल्याणकारी राज्य के नागरिक के रूप में वर्णित किया गया था, "वचनों" के रूप चर्चाओं को संग्रहित करते थे।
- "वचन" साहित्यिक स्वरूप में लिखे जाते थे, जो कन्नड भाषा से संबंधित थे।

वोक्कालिगा :

- लिंगायत के बाद प्रमुख समुदाय,
- राष्ट्रकूट एवं पश्चिमी गंग वंश के शासक इसी समुदाय से संबंधित,
- मूलतः कृषि प्रधान

Result Mitra TM